Punjab Files
ਪੰਜਾਬੀ ਸਨਾਤਨੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼

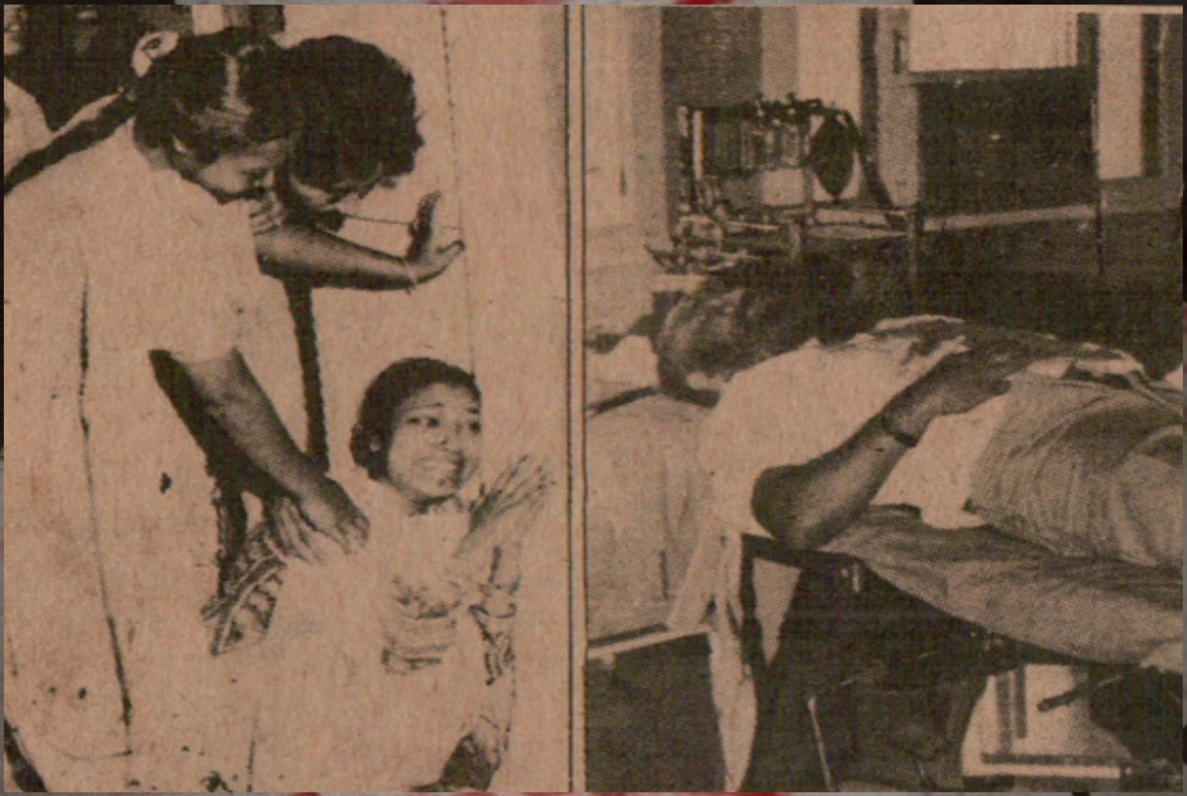

YEAR 1981

तम्बाकू विरोधी जलूस में गुंडागर्दी का खुला प्रदर्शन

निहंगों ने दुकानें लूट लीं:पंजाब केसरी के उप कार्यालय पर हमला:कई स्थानों पर जमकर लड़ाई

अब हम खामोश नहीं बैठेंगे : भिंडरां वाला की धमकी

नगर में कर्फ्यू के नजारे : निहंगों ने हवाई फायरिंग भी की:कई लोगों पर तलवारों से हमले

अमृतसर, 31 मई (वि. प्र, हि, यु., प्रै.) : अमृतसर में हथियार लेकर चलने पर पाबन्दी लगाये जाने के बावजूद आज यहां सिख स्टूडेंट्स फैडरेशन, दल खालसा, संत जरनैल सिंह भिंडरांवाले, निहंगों व उग्रवादी अकालियों ने सशस्त्र जलूस निकाला और कुछ हिंसक घटनायें भी हुई, जिन पर पुलिस ने तुरन्त कार्यवाही करके स्थिति पर काबू पा लिया।

कटड़ा बगियां में पुलिस को उस समय अश्रु गैस के गोले छोड़ने पड़े जब जलूस में शामिल लोगों ने वहां कुछ दुकानों पर हमला कर दिया। इसके उत्तर में दूसरी ओर से भी लोगों ने पथराव किया। इससे कुछ लोग घायल भी हो गए। पुलिस ने तुरंत अश्रु गैस छोड़ कर स्थिति को बिगड़ने से बचा लिया।

सिख संगठनों द्वारा यह जलूस अमृतसर में सिग्रेट तम्बाकू व अन्य मादक वस्तुओं की बिक्री बन्द कराने की मांग को लेकर निकाला गया।

हाल गेट के बाहर भी कुछ उग्रवादी प्रदर्शनकारियों ने महेंद्रपाल नामक व्यक्ति पर तलवार से हमला कर दिया। उसे गम्भीर अवस्था में अस्पताल दाखिल करवाया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने हाल बाजार में स्थित 'पंजाब केसरी' के उप-कार्यालय पर आक्रमण करके बोर्ड आदि उखाड़ कर फैंक दिए और तलवारें मार-मार कर बोर्ड तोड़ दिए। राम बाग चौक में प्रदर्शन-कारियों ने दो सिग्रेट वालों की दुकानों के दरवाजे आदि तोड़ दिये। एक अन्य व्यक्ति कृष्ण लाल को, जो चाय की दुकान करता है, घायल कर दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार कई स्थानों पर काफी उत्तेजना के बावजूद पुलिस ने बहुत संयम से काम लिया। इन झड़पों के सिलसिले में 27 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रदर्शनकारियों ने एक फलों की दुकान भी लूटी।

चौक बिजलो में कुछ उपद्रवियों ने मिठाई की दुकानों की बिजली की टयूबें तोड़ दीं और एक प्रिंटिंग प्रैस पर भी हमला किया।

शास्त्री चौक में निहंगों एवं अन्य लोगों में खुलकर पथराव हुआ। पता चला है कि निहंगों द्वारा हवाई फायर भी किये गए। कटड़ा जैमल सिंह में दो निहंगों ने दुकानदारों पर हमला कर दिया, जिसके उत्तर में लोगों ने पथराव किया। आधा घंटा तक दोनों ओर से मुकाबला होता रहा। बाद में लगभग आधा दर्जन निहंग उपलांवाली गली गुरु-द्वारा में जा कर ललकारने लगे। जब स्थानीय लोगों ने उनकी ललकार का जवाब दिया तो वे भाग खड़े हुए।

पंजाब न्यूज सर्विस ने सूचना दी है कि उग्रवादी अकालियों और निहंगों का जलूस समाप्त होने के बाद कम्पनी बाग से वापस आते हुए एक सौ से अधिक सशस्त्र निहंगों ने राम बाग गेट की 10 दुकानों को लूट लिया। ये दुकानें रामबाग पुलिस स्टेशन से केवल 10 गज के अन्तर पर थीं। वहां शांति स्थापना के लिये पुलिस का दस्ता तैनात था। यह लूटमार पुलिस की उप-स्थिति में होती रही। चौक में कई निहंग औरतों को गालियां देते रहे। यहां पुलिस ने मिन्नतें करके निहंगों को वहां से भेज दिया।

बाद में निहंगों ने आध दर्जन हवाई फायर किये। इनमें से 20 निहंग घुड़सवार थे।

शेरांवाली गेट में सशस्त्र निहंगों ने 20 दुकानें और शालीमार रोड पर ट्रांस्पोर्ट कम्पनी का एक गोदाम लूट लिया। इस गोदाम से कपड़े की 15 गांठें और 15 अन्य नग निहंग उठा कर ले गए।

शहर के कई भागों में युवकों ने आत्म-रक्षार्थ निहंगों पर पथराव किया। पुलिस ने लगभग 100 ऐसे युवक विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार कर लिये। मगर लूटमार करने वाले निहंगों पर हाथ नहीं डाला।

सशस्त्र निहंग कटड़ा बग्गियां के एक मकान में दाखिल हो गए मगर पुलिस ने निहंगों को कुछ कहने की बजाय उस घर के युवक को गिरफ्तार कर लिया। शहर के कई भागों में निहंग-विरोधी युवक पंजाब पुलिस मुर्दाबाद के नारे लगाते सुने गए।

हि.स. के अनुसार गैर अकालियों की एक क्रुद्ध भीड़ ने बस स्टैंण्ड के बाहिर बसों पर भारी पथराव किया, जिससे तीन बसों को क्षति पहुंची। पुलिस ने पांच व्यक्ति गिरफ्तार कर लिये।

'डो' के अनुसार आज की हिंसक घटनाओं में 14 व्यक्ति घायल हुए, जिनमें से 8 को गुरु तेग बहादुर अस्पताल में दाखिल किया गया। दाखिल किये गए घायलों में एक निहंग व सात हिन्दू हैं।

जलूस के बाद शहर में जबरदस्त तनाव पैदा हो गया है। भारी संख्या में हिन्दू एवं हरिजन आर्यसमाज मंदिर बाजार श्रद्धानन्द में एकत्र हो गए। इनमें से कइयों के हाथों में लाठियां थीं।

सूचना पाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी वहां पहुंच गए और स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।

एस. एस. पी. श्री जगत ने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा बस अड्डे के निकट कुछ दुकानों को आग लगाने की कोशिश की गई, जिसे असफल बना दिया गया लेकिन 'यू. न्यू.' के अनुसार डिप्टी कमिश्नर श्री एस. एस. चाहल ने स्वीकार किया कि बस अड्डे के निकट सिग्रेटों की एक दुकान को आग लगाई गई।

यद्यपि जलूस सिख स्टूडेंट्स फैडरेशन और सन्त भिंडरांवाले व निहंगों का था परन्तु दल खालसा वाले और नैशनल कौंसिल आफ खालिस्तान के प्रचारक इसमें विशेष रूप से सक्रिय रहे और उन्होंने मनमानियां कीं। मंजी साहिब में, जहां दीवान हुआ, बड़े गरमागर्म भाषण हुए और उसके बाद एक बजे के करीब जलूस रवाना हुआ। जलूस के आगे-आगे नगाड़े थे, जो ऊंटों पर रखे हुए थे। उनके पीछे निहंगों के घोड़े थे, जिनकी संख्या एक सौ के लगभग थी। जलूस का नेतृत्व श्री अकाल तख्त साहब के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी प्रीतम सिंह ने किया। दरबार साहब के हैडग्रंथी व अन्य सिख संगठनों के नेता भी जलूस में शामिल थे।

पुलिस प्रबन्ध

पुलिस ने जलूस का सारा रास्ता सराय गुरु राम दास के चौक से लेकर कम्पनी बाग तक घेरा हुआ था और सड़क के दोनों ओर पुलिस के जवान कतारों में खड़े थे। चौराहों में घुड़सवार पुलिस खड़ी थी, डी.आई. जी. पुलिस श्री बी. एस. धालीवाल, एस. एस. पी. श्री गुरबचन जगत व अन्य पुलिस अधिकारी कड़ी निगरानी करते रहे।

जलूस के मार्ग में आने वाले मकानों की खिड़कियों में से हिन्दू नागरिक झांक रहे थे तो कुछ उग्रवादी सिखों ने ऊंची-ऊंची

(शेष पृष्ठ 6 पर)

खालिस्तान समर्थकों को देश सहन नहीं करेगा : देसाई

चंडीगढ़, 31 मई (हि.स.): भूतपूर्व प्रधानमन्त्री एवं जनता पार्टी के नेता श्री मोरार जी देसाई ने खालिस्तान की मांग करने वाले तत्वों को चेतावनी दी है कि देश उन की पृथकतावादी गतिविधियों को कदापि सहन नहीं करेगा।

आज यहां एक सम्वाददाता सम्मेलन में जब उनसे पूछा गया कि क्या कोई विदेशी शक्ति खालिस्तान की मांग के पीछे है, तो उन्होंने कहा कि वह प्रत्येक मांग के पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका व्यक्त करने के पक्ष में नहीं हैं, यदि कोई यूं समझता है कि देश के और टुकड़े करवाये जा सकते हैं, तो मूर्खों की दुनिया में रहता है। उन्होंने कहा कि भारत पहले सांस्कृतिक दृष्टि से एक था, जबकि अब राजनीतिक दृष्टि से भी एक हो गया है। अब इसे खंडित नहीं किया जा सकेगा।

धारा 144 की धज्जियां

अमृतसर, 31 मई (प्रै. वि.): अमृतसर के जिला मैजिस्ट्रेट ने हथियार

संत भिंडरां द्वारा निरंकारी बाबा की हत्या की स्वीकारोक्ति

अमृतसर, 31 मई (प्र.न.स.) आज प्रातः उग्रवादियों के जलूस से पूर्व मंजी साहब के दीवान में भाषण करते हुए संत जरनैल सिंह भिंडरांवाले ने निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह की हत्या करना मान लिया। उन्होंने श्री हरबंस लाल खन्ना भू. पू. विधायक को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपनी सरगर्मियों से बाज आ जाएं अन्यथा उन्हें भी बाबा गुरबचन सिंह के पास भेज दिया जाएगा।

श्री खन्ना का 'दोष' मात्र यह है कि उन्होंने दो दिन पूर्व अमृतसर में निकलने वाले जलूस का नेतृत्व किया था।

Punjabi Sanatani

निहंगों व पुलिस में सशस्त्र भिड़ंत : 1 मारा गया 2 फरार

अमृतसर, 14 जून (वि. प्र.): ब्यास थानान्तर्गत गांव वडाला में गुरुद्वारे पर जबरदस्ती कब्जा करने वाले निहंगों और पुलिस के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई जिसमें एक निहंग जबरजंग मारा गया, जब कि दो फरार हो गए ।

घटना की सूचना पाते ही अमृतसर के पुलिस चीफ श्री गुरबचन जगत ने श्री के. एल. लेखी एस. पी. डिटैक्टिव स्टाफ को पुलिस दल के साथ भेजा और पुलिस ने स्थिति पर काबू पाया ।

श्री गुरबचन सिंह जगत ने पत्रकारों को बताया कि वडाला के लोगों ने पुलिस से शिकायत की थी कि तीन सशस्त्र निहंग पिछले एक महीने से गुरुद्वारे पर कब्जा किए बैठे हैं और मनमानियां कर रहे हैं जिससे गांव के लोग परेशान हैं । इस पर एक सब - इंस्पैक्टर पुलिस तथा 30 कांस्टेबलों व हैडकांस्टेबलों को गांव में गश्त के लिए भेजा गया लेकिन निहंगों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी और पुलिस ने भी प्रत्युत्तर में फायरिंग की । इसी बीच दो निहंग जागीर सिंह और बलकार सिंह, जो वडाला के ही रहने वाले हैं । भाग गए । ये दोनों निहंग धारा 307, 442 के अन्तर्गत दर्ज मुकद्दमे में इश्तहारी मुजरिम हैं और ब्यास पुलिस को वांछित हैं ।

तीसरा निहंग जबर जंग गुरुद्वारे से निकल कर नहर की तरफ भागा और पुलिस पर फायर करता रहा, फिर वह नहर में कूद गया और नहर में से उसने पुलिस पर दो तीन फायर किए । पुलिस की जवाबी फायरिंग में वह नहर में ही मारा गया जिसकी बाद में लाश निकाली गई । मृतक निहंग के रिवाल्वर की नहर में तलाश की गई लेकिन अभी वह रिवाल्वर नहीं मिला ।

सभी मुसीबतों की जड़ रूस

बीजिंग, 14 जून (रायटर) : अमरीका के विदेश मंत्री श्री हेग और चीन के विदेश मंत्री श्री हुआ, दोनों इस बात पर सहमत हैं कि दुनिया की समस्याओं और तनाव का मुख्य कारण रूस है हेग की तीन दिवसीय चीन यात्रा के आज प्रथम दिन दोनों विदेश मंत्रियों की वार्ता अल्पकालिक थी ।

अमरीका चीन के हित सांझे

आज रात राजकीय भोज में श्री हेग और चीनी विदेशमन्त्री श्री हुआ ने इस बात पर सहमति प्रकट की कि संसार में सोवियत विस्तारवाद को रोकना अमरीका और चीन के पारस्परिक हित की बात है । श्री हेग ने कहा कि अमरीका चीन की शक्ति एवं सुरक्षा को विश्व संतुलन के लिये अपरिहार्य मानता है और "यही हमारी अपनी सुरक्षा का भी आधार है ।"

Punjabi Saratani

फिरोजपुर में सशस्त्र निहंगों के हमले : 4 घायल

फिरोजपुर, 15 जून (वा.): यहां पर विभिन्न बाजारों में धूम्रपान करने पर निहंगों के सशस्त्र हमलों से चार हिन्दुओं के घायल होने की सूचना मिली है जिसके कारण नगर में आतंक फैला हुआ है। कल रविवार की दोपहर को कुछ निहंगों ने बाजार दुर्गादास में एक हरिजन को धूम्रपान करते समय घायल कर दिया। थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। कल शाम फिरोजपुर नगर कोतवाली के सामने एक निहंग ने फायरिंग की मगर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। माल रोड पर गत सायंकाल एक व्यक्ति कश्मीरी लाल पर सिग्रेट न पीने से इंकार करने पर निहंगों ने आक्रमण कर दिया। आज प्रातः भी निहंगों ने दो शहरियों को मारा पीटा। इनमें एक थ्री-व्हीलर चालक भी है जो धूम्रपान कर रहा था।

निहंगों ने धमकी दी है कि नगर में किसी भी सिग्रेट-बीड़ी पीने वाले को नहीं रहने दिया जायेगा। इन घटनाओं के बावजूद पुलिस अभी तक मौन दर्शक बनी हुई है। एक अन्य सूत्र के अनुसार दो दर्जन सशस्त्र निहंगों ने आज प्रातः अपने विरोधी जगतार सिंह पर यहां से 5 मील दूर ग्राम खई फैंमिकी में हमला किया और भारी फायरिंग की। मनोहर लाल मलिक वैंडर पर भी यहां से तीन मील दूर हमला किया गया मगर उसने अपने लाइसैंस शुदा रिवाल्वर से फायरिंग करके आत्मरक्षा की। जिला पुलिस अध्यक्ष श्री सुरजीत सिंह बैंस ने पुलिस को उत्पाती निहंगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

बिजली दरों में वृद्धि रोकने की मांग

Punjabi Sanatani

कपूरथला के निरंकारी प्रमुख की हत्या : हमलावर फरार

कपूरथला, 16 नवम्बर (श) : पंजाब की साम्प्रदायिक शांति आज फिर भंग हो गई जब सायं लगभग 7 बजे स्थानीय बस स्टैंड के निकट सत्य नारायण बाजार के चौक में, जो सिटी कोतवाली से केवल कुछ गज की दूरी पर है, मोटर साइकिल पर सवार दो सिखों ने अपना मोटर साइकिल रोक कर कपूरथला के निरंकारी प्रमुख प्रह्लाद चंद की दुकान पर पिस्तौल निकाल कर फायरिंग शुरू कर दी, जिससे प्रह्लाद चंद, उनका पिता दीवान चंद और भाई बंसी लाल सख्त घायल हो गए, जिन्हें तुरन्त अस्पताल में दाखिल किया गया, जहां प्रह्लाद चंद की मृत्यु हो गई।

फायरिंग करने के बाद दोनों अभियुक्त मोटर साइकिल छोड़ कर भाग निकले। कुछ लोगों ने उनका पीछा भी किया, परन्तु अभियुक्त फरार होने में सफल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने नाकाबंदी करने के बाद उनकी तलाश शुरू कर दी है, परन्तु अभी तक हमलावर गिरफ्तार नहीं किए जा सके। 2 अन्य घायलों की दशा चिंताजनक बताई जाती है।

अभियुक्त जो मोटर साईकिल पीछे छोड़ गए हैं, उसका नम्बर पी. बी. जं. 8275 है।

'हि. स.' के अनुसार जालंधर पुलिस ने कपूरथला गोली कांड के बाद मोटर साइकिलों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। यद्यपि पकड़े गए मोटर साईकिल की नम्बर प्लेट जालंधर की है परन्तु पुलिस को संदेह है कि यह नम्बर प्लेट जाली है।

हमारे संवाददाता के अनुसार नम्बर प्लेट हिंदी में है और उस पर काली टेप लगी है।

अमृतसर में जनता नेता की हत्या का प्रयास

बताया जाता है कि हमलावरों का एक तीसरा साथी पीछे खड़ा था और जब प्रह्लाद चंद ने एक हमलावर को गोली से घायल होने के बाद "जफ्फा" मारने की कोशिश की तो उस तीसरे अभियुक्त ने पीछे से उसके सिर में गोली मार दी। अभियुक्त सीनपुरा मुहल्ला की तरफ भागे तो उनके पीछे एक रहस्यपूर्ण कार भी गई। पुलिस ने सारे सीनपुरा मुहल्ला को घेरे में ले लिया है।

अमृतसर से भाटिया के अनुसार : अमृतसर जनता पार्टी के सैक्रेटरी श्री ओम प्रकाश सेठ पर तीन स्कूटर सवारों की ओर से हमला करने की सूचना मिली है। बताया गया है कि श्री सेठ कल शाम अपने परिवार के साथ एक होटल में खाना खाकर निकले तो स्कूटर सवारों ने उन पर हमला करने की कोशिश की लेकिन श्री सेठ बच गए। थाना सिविल लाईन के इंचार्ज श्री अमर सिंह बाजवा ने स्कूटर अपने कब्जे में लेकर स्कूटर सवारों की तलाश शुरू कर दी है।

जालन्धर से 'स' के अनुसार पंजाब जनता पार्टी के प्रधान श्री हरभजन सिंह ने इस हमले के प्रयास की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि मैंने इस सिलसिले में पंजाब के आई. जी. पुलिस को टैलीफोन पर चंडीगढ़ में सूचना दे दी और उन्होंने कहा कि वह पुलिस को इस सिलसिले में निर्देश दे रहे हैं कि अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए।

लेकिन साथ ही श्री हरभजन सिंह ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर सन्देह प्रकट किया है और कहा कि पंजाब का यह दुर्भाग्य है कि पुलिस अभी तक पंजाब के विभिन्न गोली-कांडों के अभियुक्तों को गिरफ्तार

(शेष पृष्ठ 6 पर)

Punjabi Sanatani

लाला जी की हत्या के लिए भिंडरां ने मुझे आशीर्वाद दिया था : नछत्तर सिंह

चंडीगढ़, 1 नवम्बर (इ.ए.): हिन्द समाचार पत्र समूह के संस्थापक, सम्पादक लाला जगतनारायण की हत्या के 3 संदिग्ध अभियुक्तों में से एक नछत्तर सिंह ने चंडीगढ़ पुलिस के समक्ष स्वीकार किया है कि जरनैल सिंह भिंडरांवाला का आशीर्वाद प्राप्त करके वह लुधियाना के निकट लाडोवाल ओवरब्रिज पर गत 9 सितम्बर को लाला जी की हत्या में संलिप्त हुआ था ।

नछत्तर सिंह ने, जिसका 16 अक्तूबर को चंडीगढ़ में पंजाब सचिवालय गोली कांड की जांच के लिए स्थानीय पुलिस ने सोमवार तक रिमांड प्राप्त कर लिया है, ने स्वीकार किया कि उसने खुद ही लाला जी को खत्म करने की पेशकश की थी ।

उसने बताया कि मैं अगस्त, 1980 में करतार सिंह भिंडरांवाले की बरसी के अवसर पर चौक मेहता में आयोजित एक समारोह में शामिल होने गया था । बैठक में भिंडरांवाला ने कहा था कि लाला जी के बारे में भी कुछ होना चाहिए, जो उसके अनुसार 'सिखों के विरुद्ध लिख रहे थे ।' इस पर मैंने इस कार्य के लिए तुरन्त अपनी सेवाएं पेश कर दीं ।

पुलिस अधीक्षक श्री जी. एस. औजला सहित 4 स्थानीय पुलिस अधिकारियों के एक दल ने नछत्तर सिंह से कल सायं 3 बजे से रात 9 बजे तक पूछताछ की ।

6 घंटे की रिकार्ड की गई पूछताछ में फरीदकोट जिले में रोडा गांव के इस मध्य वय के सिख ने बताया कि चौक मेहता समागम के तुरन्त बाद ही उसने लाला जी की कारों के नम्बर नोट करने शुरू कर दिये ।

कुरुक्षेत्र में सफल न हो सके

उसने रहस्योद्घाटन किया कि जुलाई में कुरुक्षेत्र में आयोजित सूर्यग्रहण मेले में मैंने लाला जी को मारने की पहली बार कोशिश की । मुझे पता चला कि लाला जी एक धार्मिक सभा को सम्बोधित करने जा रहे हैं । मेरा सहयोगी परशा सिंह मेरे साथ था । हमारे पास दो देशी पिस्तौल (.12 बोर 303) थे । किन्तु हम सफल न हो सके क्योंकि वहां सुरक्षा प्रबन्ध अत्यन्त कड़े थे ।

नछत्तर सिंह ने आगे बताया कि उसने भिंडरां को मिशन में अपनी विफलता का कारण बताया ।

दूसरा प्रयास भी विफल

वह तथा परशा सिंह, जो पुलिस को वांछित है, उन्होंने लाला जी की हत्या की दूसरी योजना अगस्त में तब बनाई जब उन्हें पता चला कि लाला जी मालेरकोटला आ रहे हैं । "कपूरथला के निकटवर्ती गांव का एक व्यक्ति उज्जल सिंह हमें अपनी मोटर साइकिल देने को सहमत हो गया । हमने नूरमहल (जालन्धर के निकट) में मोटर साइकिल के टायर बदले ।"

सूत्रों का कहना है कि पंजाब पुलिस ने नूरमहल की एक दुकान से मोटर साईकिल के टायरों की खरीद का पता लगा लिया है । नछत्तर सिंह ने बताया कि मालेरकोटला में लाला जी को मारने की योजना भी विफल हो गई क्योंकि लाला जी का उस दिन का वहां जाने का कार्यक्रम रद्द हो गया था ।

नछत्तर सिंह ने बताया कि बाद में उन्होंने मोटर साइकिल वापिस लौटा दी । इस मोटर साइकिल पर कोई नम्बर प्लेट नहीं थी ।

भिंडरांवाला का भतीजा

लाला जी की हत्या से एक दिन पहले भिंडरांवाला का एक भतीजा स्वर्ण सिंह भटिंडा जिले के सोलखियां गांव में नछत्तर सिंह के पास आया, जहां कि वह ठहरा हुआ था ।

नछत्तर सिंह ने पुलिस को बताया कि स्वर्ण सिंह एक नए मोटर साइकिल पर आया था । हम जानते थे कि लाला जी पटियाला जा रहे हैं । अतः हमने पुनः योजना बनाई । स्वर्ण सिंह ने बाहर खड़े बलबीर सिंह को अन्दर बुला लिया । वह बाहर प्रतीक्षा कर रहा था । इसके बाद हम पटियाला के लिए रवाना हो गए ।

नछत्तर सिंह ने आगे बताया कि जब तीनों ने पटियाला में लाला जी के बारे में पूछा तो उन्हें बताया गया कि लाला जी तो पहले ही पटियाला से वापिस लौट चुके हैं ।

"हम लुधियाना की ओर आ रहे थे कि हमारा मोटर साइकिल खन्ना के निकट किसी खराबी के कारण रुक गया । अचानक हमने देखा कि लाला जी की कार हमारे पास से गुजरी है । हमने तुरन्त पीछा करना शुरू कर दिया तथा लाडोवाल ओवरब्रिज पर, जब कि फासला बहुत कम था, स्वर्ण सिंह तथा बलबीर सिंह ने अपने पास के दो रिवाल्वरों से गोलियां चला दीं ।"

नछत्तर सिंह ने बताया कि वह मोटर साइकिल चला रहा था । यहां तक कि हम वापिस यह देखने के लिए लौटे कि कहीं हमारा निशाना चूक तो नहीं गया है । लेकिन मोटर साइकिल दुबारा रुक गया । हमने पास के खेतों में भागना शुरू कर दिया जबकि मुझे कुछ ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया । स्वर्ण सिंह तथा बलबीर सिंह भागने में सफल हो गए । गांव वालों ने उन्हें भाग जाने दिया क्योंकि वह चिल्ला-चिल्ला कर कहते जा रहे थे कि हम भिंडरांवाला के आदमी हैं ।

अपनी विगत जिन्दगी के बारे में नछत्तर सिंह ने रहस्योद्घाटन किया कि सन् 1971 में अपने गांवों में वह नक्सलियों के एक ग्रुप के सम्पर्क में आया था । उसने स्वीकार किया कि सातवें दशक के शुरू में वह नक्सलियों के साथ सक्रिय रहा ।

उसने भिंडरांवाला के बारे में पुलिस को बताया—"पहले तो मैं भिंडरांवाला से प्रभावित नहीं हुआ जो मेरे गांव में प्रायः धार्मिक समागमों को सम्बोधित करता था, लेकिन बाद में मैं उसका भक्त बन गया और उसकी शिक्षाओं का पालन करने लगा ।"

फिर भी नछत्तर सिंह ने यह स्वीकार करने से इन्कार कर दिया कि उसे 16 अक्तूबर को चंडीगढ़ में हुए गोली कांड के बारे में कोई जानकारी है जिसमें एक आई. ए. एस. श्री निरंजन सिंह का भाई श्री सुरेन्द्र सिंह मारा गया था तथा निरंजन सिंह व उनका अंगरक्षक गम्भीर रूप से घायल हो गए थे ।

उसने कहा कि जब चंडीगढ़ का यह कांड हुआ तो उस समय मैं पुलिस हिरासत में था । मैं इसके बारे में कुछ नहीं जानता ।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री करतार सिंह तोमर, थाना प्रभारी, सैंट्रल सी. आई. ए. इंस्पैक्टर श्री गुरचरण सिंह, जांच अधिकारी श्री इकबाल सिंह के अतिरिक्त पूछताछ के दौरान नछत्तर सिंह के वकील श्री जसबीर सिंह भी उपस्थित थे ।

श्री जसबीर सिंह द्वारा प्रस्तुत किये गये आवेदन पर चीफ ज्युडिशियल मैजिस्ट्रेट ने उन्हें पूछताछ के दौरान उपस्थित रहने की अनुमति दे दी थी ।

Punjabi Sanatani

(1) फरार हत्यारे अमरजीत सिंह की पत्नी, (2) अमरजीत सिंह का मकान जहां विभिन्न गोलीकांडों में वांछित अभियुक्त छिपे हुए थे, (3) खून से लथपथ आंगन, (4) गांव का वह रास्ता जहां से हत्यारे फरार हुए। (छाया : वेद प्रकाश कपूर)।

पंजाब के उग्रवादी दो पुलिस कर्मियों की हत्या कर फरार

●फरार अभियुक्तों में फरीदकोट के 3 पुलिस कर्मचारी भी शामिल ●कपूरथला के निरंकारी प्रमुख के हत्यारों को शरण देने वाले की पत्नी और एक हत्यारा पुलिस ने पकड़ लिया

हत्यारे कनाडा में बनी बुलेटप्रूफ जैकटें पहने गोलियां चलाते भाग निकले:पुलिस की गोलियों का असर न हुआ

पुलिस ने हैलीकाप्टर, खोजी कुत्ते मंगाए : अपराधी मृत पुलिसजनों के हथियार छीन ले गए : 'दहेड़ू' (खन्ना) से दस-दस मील दूर के घेरे की कड़ी नाकेबंदी : पुलिस सतर्क

दहेड़ू (लुधियाना), 19 नवम्बर (महेन्द्र खन्ना): आज प्रातः पौने छः बजे लुधियाना जिले के तहसील नगर खन्ना से चार किलो मीटर दूर जी.टी. रोड के किनारे बसे ग्राम दहेड़ू में पंजाब की विभिन्न हिंसक घटनाओं के अभियुक्तों ने, जहां छापा मारने गई पुलिस पार्टी पर गोलियां चलाकर इन्स्पैक्टर प्रीतम सिंह बाजवा, और कांस्टेबल सूरत सिंह की हत्या कर दी और हैड कांस्टेबल उजागर सिंह व सिपाही केसर सिंह को गोली मार कर फरार हो गए।

घायल हैड कांस्टेबल उजागर सिंह व सिपाही केसर सिंह को लुधियाना के टाउन अस्पताल में ले जाया गया जहां उनकी हालत गम्भीर बताई जाती है। इन्स्पैक्टर प्रीतम सिंह बाजवा तथा कांस्टेबल सूरत सिंह के शव पोस्टमार्टम के लिए खन्ना ले जाए गए।

पुलिस ने एक अभियुक्त तथा जिस मकान में वे छिपे हुए थे, उसके मालिक की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

पता चला है कि अन्य फरार सात अभियुक्त गन्ने के खेतों में छिप कर भागने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन पुलिस ने दस-दस मील दूर तक कड़ी नाकेबन्दी कर दी है और अभियुक्तों की तलाश के लिए हैलीकाप्टर मंगा लिया है।

पता चला है कि पुलिस को इस बात की सूचना मिली थी कि जालन्धर, तरनतारन, अमृतसर, कपूरथला व चंडीगढ़ के फायरिंग कांडों के अभियुक्त दहेड़ू ग्राम निवासी अमर जीत सिंह नामक एक अमृत छके रामगढ़िया सिंह के पनेसर कुटी नामक मकान में छिपे हुए हैं और आज वीरवार को लुधियाना में किसी अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्ति की हत्या के लिए जाने वाले हैं।

सूचना मिलते ही जालन्धर से एक विशेष पुलिस दस्ता चार जीपों में सवार होकर दहेड़ू पहुंचा। इस दस्ते में इन्स्पैक्टर सरदूल सिंह, इन्स्पैक्टर जोगेन्द्र सिंह, इन्स्पैक्टर करतार सिंह तथा तीन माह पूर्व ही सब-इन्स्पैक्टर से पदोन्नत होकर इन्स्पैक्टर बने प्रीतम सिंह बाजवा, सब-इन्स्पैक्टर अमर सिंह, असिस्टैण्ट सब-इन्स्पैक्टर गुरदयाल सिंह, चार हैड कांस्टेबल, 20 कांस्टेबल शामिल थे।

पुलिस को अमर जीत सिंह रामगढ़िया के मकान के बारे में पूर्व जानकारी प्राप्त थी। अमरजीत सिंह के दो मंजिले मकान के एक ओर रेलवे लाईन है और दूसरी ओर गांव की पक्की सड़क।

पुलिस दल ने सुबह पौने 6 बजे वहां पहुंचने के साथ ही मकान को घेर लिया और अन्य ग्रामीणों को अपने घरों में ही रहने तथा खिड़कियां दरवाजे बन्द कर लेने की चेतावनी दी।

पता चला है कि घटना के समय अमरजीत सिंह के मकान में सभी लोग सोये थे। मकान में अमरजीत सिंह की बूढ़ी मां, पत्नी, तीन बेटे व दो बेटियां थीं और विभिन्न हत्याकांडों में शामिल अभियुक्त थे जो उस समय सो रहे थे।

पुलिस इन्स्पैक्टर बाजवा व कांस्टेबल सूरत सिंह ने अमरजीत सिंह के मकान का दरवाजा खटखटाया तो अमरजीत सिंह की निहंग महिला की वेशभूषाधारी पत्नी ने आकर दरवाजा खोला और पुलिस को देखते ही शोर मचाया। इस पर इन्स्पैक्टर बाजवा व कांस्टेबल सूरत सिंह सीढ़ियां चढ़ कर ऊपर जाने लगे क्योंकि कुछ लोगों के ऊपर भागने और खटपट की आवाजें आने लगी थीं।

इन्स्पैक्टर बाजवा व सिपाही सूरत सिंह अभी ऊपर पहुंचे भी नहीं थे कि अभियुक्तों ने कोठे पर से आटोमैटिक कारबाइन व .38 के रिवाल्वरों से उन पर गोलियां चला दीं और दोनों की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। दोनों के शव आंगन में आ गिरे। इस पर बाहर से पुलिस ने फायरिंग शुरू कर दी। अभियुक्तों ने मकान की खिड़कियों से रुक-रुक कर गोलियां चलाना जारी रखा। 45 मिनट तक दोनों तरफ से गोलियां चलीं। लगभग सात बजे मकान से आठ आदमी पीछे के बड़े गेट और छोटे दरवाजे से निकल कर गन्ने के खेतों की ओर भागे। इस दौरान मकान के पीछे खड़े हैड कांस्टेबल उजागर सिंह व सिपाही केसर सिंह ने सामने आकर उन पर गोलियां चलाई जो उनके शरीर पर लगी भीं लेकिन अभियुक्तों को बिल्कुल चोट नहीं पहुंची और वे उजागर सिंह व केसर सिंह को गोली मार कर गन्ने के घने खेतों में भाग गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभियुक्त कनाडा की बनी हुई बुलेटप्रूफ जैकटें पहने हुए थे जिससे उन पर गोलियों का कोई असर नहीं हुआ।

उल्लेखनीय बात यह रही कि उजागर सिंह ने गिरते-गिरते भी एक अभियुक्त की टांग पकड़ ली जिसके फलस्वरूप वह पुलिस के शिकंजे में आ गया। पता चला है कि गन्ने के खेतों में भाग जाने वालों में मकान मालिक अमरजीत सिंह भी शामिल है।

अभियुक्तों में 3 पुलिसकर्मी

पुलिस सूत्रों ने यह महत्वपूर्ण रहस्योद्घाटन किया है कि फरार होने वाले अभियुक्तों में तीन सेवारत पुलिस कर्मी भी शामिल हैं जिन्हें पहचान लिया गया है। ये तीनों फरार पुलिस कर्मी फरीदकोट जिले के बताए जाते हैं।

मुठभेड़ में मारे गए इंस्पैक्टर प्रीतम सिंह बाजवा (ऊपर) तथा सिपाही सूरत सिंह (नीचे) के शव।

पुलिस ने वायरलैस पर चंडीगढ़ मैसेज भेज कर हैलीकाप्टर दिये जाने की मांग की तो चंडीगढ़ से पंजाब प्रशासन ने तुरन्त ही हैलीकाप्टर खन्ना भेज दिया।

पता चला है कि अभियुक्त इन्स्पैक्टर बाजवा और सूरत सिंह की हत्या करने के बाद उनका सर्विस रिवाल्वर और राइफल भी छीन ले गए।

इस समय पंजाब पुलिस के डायरैक्टर जनरल बीरबल नाथ, डी. आई. जी. जालन्धर रेंज बृजेन्द्र सिंह, लुधियाना के एस. एस. पी. श्री भट्टी, जालन्धर के एस. एस. पी. जी. एस. भुल्लर एक हजार सिपाहियों को लेकर क्षेत्र को घेरे हुए हैं और श्री भुल्लर के नेतृत्व में स्वचालित शस्त्रों से लैस पुलिस का 'बलिदानी दस्ता' गन्ने के खेतों में घुस कर चप्पा-चप्पा छान रहा है।

दहेड़ू के 10-10 मील के घेरे में पुलिस ने नाकेबन्दी कर ली है और वायरलैस युक्त जीपों व मोटर साइकिलों पर सवार पुलिस अधिकारी प्रत्येक स्थिति की निगरानी रखे हुए हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति का नाम बताने से इन्कार कर दिया पर पता चला है कि वह हरियाणा के डबवाली क्षेत्र का रहने वाला है।

अमरजीत सिंह मंडी गोबिन्दगढ़ में एक इस्पात कारखाने में तरखान है।

पुलिस के अनुसार जब अभियुक्त फरार हो गए तो अमरजीत सिंह की पत्नी भागती हुई बगल के दूसरे मकान में घुसने गई लेकिन उस मकान के लोगों ने दरवाजे बन्द कर रखे थे। पुलिस ने उसको वहीं पकड़ लिया।

पंजाब केसरी के विशेष प्रतिनिधि ने घटनास्थल का दौरा करने पर पाया कि अमरजीत सिंह के घर की रसोई में रात का बचा हुआ काफी खाना सब्जी व रोटी आदि पड़ी हुई थी। इससे स्पष्ट था कि अभियुक्त वहां रात को आकर रुके थे और खाना खाया था पर अमरजीत की पत्नी ने कहा कि उसे कुछ भी नहीं पता है। उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी।

ग्राम के सरपंच तेजासिंह ने कहा कि अमरजीत सिंह ने ग्राम के नाम पर धब्बा लगा दिया है।

पुलिस को वहां पर जो गोलियां मिली हैं, वे उसी प्रकार की हैं जैसी जालन्धर, तरनतारन, कपूरथला, चंडीगढ़ के हत्याकांडों में प्रयुक्त की गई थीं।

जालन्धर व लुधियाना से जासूसी कुत्तों की टीमें भी बुला ली गई हैं।

अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए जो पुलिस दल गया था, उसमें कुछ वे पुलिस अधिकारी भी शामिल थे, जो प्रताप सिंह कैरों के हत्यारे सुच्चा सिंह को पकड़ने के लिए नेपाल तक गए थे।

फरार हुए अभियुक्तों में; गत मंगलवार को कपूरथला में निरंकारी प्रमुख प्रह्लाद चन्द की हत्या करने वाला तरसेम सिंह व उसके साथी भी शामिल हैं। तरसेम सिंह कपूरथला के 'मिना नक्सलबाड़ा' नाम से प्रसिद्ध ग्राम कालासंघिया का रहने वाला है।

अमरजीत सिंह के मकान से 303 की राइफल की गोलियों के दो बक्से बरामद हुए हैं।

अमर जीत सिंह निहंग बना हुआ है।

अमरजीत सिंह की पत्नी का कहना था कि आज ही ये बाहिरी व्यक्ति उसके घर आये किन्तु पुलिस की सूचना है कि वे गत बुध और शनिवार को भी यहां आए थे।

विस्मय और आतंक

दहेड़ू गांव में आज की घटना से भारी विस्मय और आतंक फैला है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने अमरजीत और उसके परिवार को सदा गरीबी की हालत में देखा है और कभी उसे किसी से लड़ता, झगड़ता नहीं पाया गया।

अमरजीत के मकान के बिल्कुल साथ रहने वाली एक अस्सी वर्षीया बुढ़िया से, जो अपना नाम बताने में असमर्थ थी, जब इस सम्वाददाता ने पूछा—तुहाडे घर दे नाले की होया ? तो उसने उखड़ती सी आवाज में कहा—"पता नहीं जीते ने की कौतक कीता है।"

खलनायिका !

पुलिस सूत्रों का कहना है कि अमरजीत की पत्नी ने इस कांड में पुलिस की दृष्टि से खलनायिका की भूमिका अदा की। जैसे ही उसे पुलिस के आने का पता चला, उसने घर में सोए अपराधियों को इसकी सूचना दे दी और दरवाजा तभी खोला जब अपराधी पूरी तरह तैयार हो चुके थे।

कितने लोग छिपे थे ?

दहेड़ू गांव में उच्च पुलिस अधिकारियों ने पत्रकारों को बताया कि कुल आठ व्यक्ति छिपे हुए थे, एक को पकड़ लिया गया और सात अन्य भाग गए। लेकिन जिस मकान में अपराधी छिपे थे, उसकी मालकिन का बयान था कि सिर्फ दो व्यक्ति तड़के चार बजे मकान में दाखिल हुए। पी. टी. आई. और यू. एन. आई. चंडीगढ़ से सरकारी सूत्रों को उद्धृत करते हुए छिपने वाले अपराधियों की संख्या दो बताई है।

चंडीगढ़ से 'परवाना' के अनुसार पंजाब के डी. आई. जी. पुलिस (क्राइम) श्री आर. के. शर्मा ने बताया है कि खन्ना के निकट हुई मुठभेड़ में भाग जाने वाले अभियुक्तों का पुलिस पीछा कर रही है। अपराधी अब भी गन्ने के खेतों में छिपे हुए प्रतीत होते हैं। सम्वाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अभियुक्त तरसेम सिंह नक्सली है लेकिन दूसरे अभियुक्त अजीत सिंह के बारे में कुछ

(शेष पृष्ठ 8 पर)

एक दर्जन आई ए एस

राज्यपाल की लुधियाना

बाजवा और सूरत के परिवारों को ... 60

दहेड़ू कांड

(पृष्ठ 1 का शेष)

नहीं कहा जा सकता कि उसका किस ग्रुप से संबंध है लेकिन पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार उसका संबंध एक सन्त के जत्थे से है।

श्री शर्मा ने बताया कि उग्रवादियों की धरपकड़ के लिए पुलिस राज्य के विभिन्न स्थानों ५८ छापे मार रही है लेकिन उन्होंने विवरण बताने से इन्कार कर दिया।

बी. एस. एफ. बुलाई गई

हत्यारों की खोज के काम में सहायता के लिए बी. एस. एफ. बुला ली गई है किन्तु काफी रात गए अंतिम खबरें आने तक कोई सुराग नहीं मिला।

एक और गिरफ्तार

प्रै. ट्र. के अनुसार आज रात चंडीगढ़ में मिली सरकारी सूचना में कहा गया कि आज सायं खन्ना के निकट सलौरी गांव से एक उग्रपंथी पकड़ा गया। अभी यह नहीं पता चला कि इस उग्रपंथी का आज दहेड़ू में हुए कांड से कोई सम्बन्ध है या नहीं। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति के बारे में कुछ भी विवरण बताने से इन्कार कर दिया।

Punjab Santam

जांचा तो पता चला कि कुछ धन राशि चारियों की मृत्यु हो गई ।

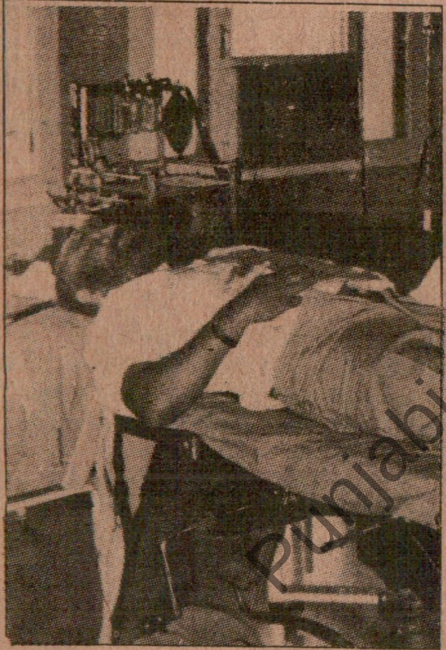

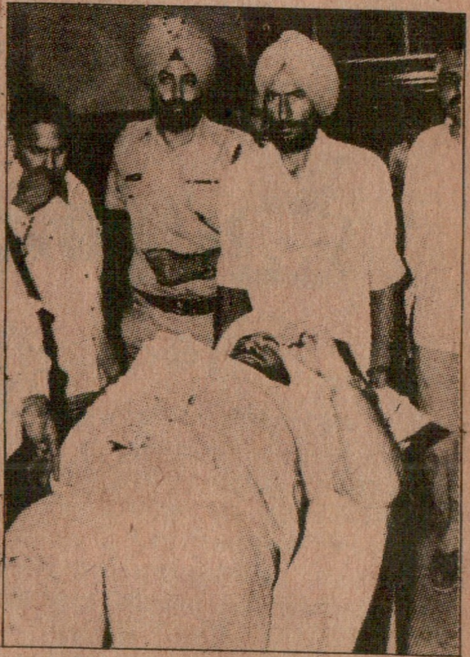

आज चंडीगढ़ पंजाब सचिवालय में श्री निरंजन सिंह आई.ए.एस. को गोलियों द्वारा मारने की कोशिश की गई, परन्तु वह बच गए। उनके छोटे भाई की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। चित्र में बायें से दायें: (1) श्री निरंजन सिंह के गनमैन की लड़कियां आप्रेशन थिएटर के बाहर रोती हुईं। (2) खून से लथपथ गनमैन खुशनसीब सिंह आप्रेशन थिएटर में। (3) मृतक सुरेंद्र सिंह व श्री निरंजन सिंह की बहन बिलखती हुईं। (4) श्री निरंजन सिंह को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाते हुए एस. एस. पी. श्री औजला व अन्य लोग।

पंजाब सचिवालय में राजस्व सचिव को गोली मार दी

[illegible]जस्व सचिव निरंजन सिंह का आई.ए.एस. भाई घटनास्थल पर दम तोड़ गया : अंगरक्षक घायल

[illegible]कड़ों की उपस्थिति में हत्यारे मोटर साइकिल पर फरार

[illegible]गढ़, 16 अक्तूबर (एन. [illegible]वाना, यू., प्रै. हि.) : [illegible] के आतंकवादियों ने अपनी [illegible] के क्षेत्र में वृद्धि करके [illegible] चंडीगढ़ को भी शामिल कर [illegible] और आज चंडीगढ़ [illegible] पंजाब के नागरिक सचि[illegible] भवन के अन्दर सैंकड़ों लोगों [illegible] अधिकारियों की उपस्थिति [illegible] उग्रवादी सिख युवकों ने [illegible] मतावलम्बी तथा पंजाब [illegible] राजस्व सचिव निरंजन [illegible] भाई हाल ही में आई. ए. [illegible] परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सुरेंद्र [illegible] गोली मार कर हत्या कर दी [illegible]रंजन सिंह व उनके अंग रक्षक [illegible] कांस्टेबल खुशनसीब सिंह को [illegible] रूप से घायल करके फरार [illegible]

[illegible] वर्षीय सुरेंद्र सिंह की घटना[illegible] पर ही मृत्यु हो गई जबकि [illegible] सिंह, जो कि हत्यारों के [illegible] थे, गोली लगने के साथ [illegible] हुए दूसरी मंजिल स्थित [illegible] विभाग के एक रिकार्ड रूम [illegible] गए और दरवाजा अन्दर से [illegible] लिया। उनके अंग रक्षक [illegible] सिंह को पहले हमलावरों [illegible] का प्रयास किया पर वह [illegible] छुड़ाता हुआ अपनी स्टेनगन [illegible] लगा। इस पर आक्रमणकारी [illegible] व पेट में गोली मार कर [illegible] कर भागे। घायल खुश[illegible] ने हत्यारों का लगभग [illegible] तक पीछा किया पर [illegible] रक्तस्राव के कारण बेहोश [illegible] पड़ा। हत्यारों का एक [illegible] सुरक्षा कर्मचारियों की [illegible] भी गया पर वह उन्हें [illegible] भाग निकला। सचि[illegible] पीछे हत्यारों के एक साथी [illegible] साइकिल स्टार्ट कर रखा था। [illegible] उस पर सवार होकर [illegible]ए।

घटना के समय प्रातः लगभग 9 बजे कर्मचारी, अधिकारी, नेता, विधायक, कुछ मंत्री, सैंकड़ों नागरिक सचिवालय आ रहे थे। स्वयं निरंजन सिंह अपने भाई व अंगरक्षक के साथ दक्षिणी भाग में बनी जंगले वाली सीढ़ी से ऊपर जा रहे थे। तभी उनके पीछे-पीछे आ रहे 2 सिख युवकों ने पास से ही रिवाल्वरों से गोलियां चला दीं।

निरंजन सिंह तथा उनके अंग रक्षक को पी. जी. आई. में भर्ती कराया गया है। निरंजन सिंह के हाथ में गोली लगी है परन्तु वे खतरे से बाहर बताए गए हैं। उनके अंग रक्षक खुशनसीब सिंह की हालत गंभीर बताई जाती है। सुरेंद्र सिंह को दो गोलियां लगीं।

(हि. स. के अनुसार सुरेंद्र सिंह ने आई. पी. एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी।)

चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधि[illegible]कारी, आई. जी. श्री बी. [illegible] एस. एस. पी. श्री जी. [illegible] सहित घटनास्थल पर पहुंच [illegible] केंद्र शासित क्षेत्र चंडीगढ़ [illegible] जाने वाले सभी मार्गों [illegible] के आदेश दिए।

घटना के कुछ मिनट पूर्व ही सचिवालय [illegible] पंजाब सरकार के कुछ मंत्री, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आदि जब तक घटनास्थल पर आये, तब तक सारा कांड समाप्त हो चुका था।

निरंजन सिंह ने कुछ दिन पूर्व ही अपने साथी कुछ अधिकारियों से कहा था कि कुछ व्यक्ति उनका पीछा करते रहते हैं और उन्हें [illegible] का खतरा है। पंजाब सरकार ने उन्हें एक सुरक्षा गार्ड दिया था और केंद्र [illegible] शासित क्षेत्र चंडीगढ़ की पुलिस ने भी [illegible] आवास के लिए एक सुरक्षा गार्ड दिया था।

पंजाब का नागरिक सचिवालय जिस भवन में स्थित है, उसी में हरियाणा का भी नागरिक सचिवालय है। दोनों ही राज्यों के सचिवालयों के अधिकारी, कर्मचारी, मंत्री, नागरिक आदि आज उस समय आ ही रहे थे।

चंडीगढ़ प्रशासन व पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक बंद कमरे में विचार-विमर्श किया तथा हरियाणा, हिमाचल व पंजाब सरकार, प्रशासन व पुलिस को सतर्क कर दिया।

निरंजन सिंह एक भूतपूर्व विधायक [illegible] नेता हरचंद सिंह के दामाद हैं। निरंजन सिंह को निरंकारी मत के '[illegible] रत्नों में से एक' की उपाधि मिली हुई है।

पंजाब गुप्तचर विभाग के [illegible]निरीक्षक श्री जे. एस. आनंद ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इस घटना की [illegible] की जिम्मेदारी चंडीगढ़ प्रशासन की है। उन्होंने बताया कि श्री निरंजन सिंह को पंजाब सरकार की ओर से दो अंगरक्षक उपलब्ध किए हुए थे जिनमें से एक के पास स्टेनगन थी। श्री आनंद ने रहस्योद्घाटन किया कि श्री निरंजन सिंह का नाम उग्रवादियों की उस सूची में शामिल

(शेष पृष्ठ 8 पर)

निरंजन सिंह पर हमला हरिजनों को चुनौती-शिगारा

जालन्धर, 16 अक्तबर : पंजाब के भूतपूर्व संसदीय सचिव श्री शिगारा सिंह तथा गरीब जनता संघर्ष समिति के संयोजक श्री मलकीयत सिंह निर्मल ने एक बयान में कहा है कि श्री निरंजन सिंह आई. ए. एस. पर चंडीगढ़ में फायरिंग तथा उनके भाई की हत्या किया जाना अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण एवं दर्दनाक है। श्री निरंजन सिंह आई. ए. एस. हरिजन हैं। यह पंजाब भर के हरिजनों को चुनौती है।

उन्होंने कहा कि अजीब बात है कि एक ओर से पंजाब में शांति की बहाली के बारे में अकाली व हिन्दू नेताओं की प्रधानमंत्री से बातचीत हो रही है, उधर आज ही चंडीगढ़ में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। पंजाब में तो लोग पहले ही हुई हिंसक घटनाओं से भयभीत हैं। इसका अर्थ यह है कि राज्य में जो भी व्यक्ति उग्रवादियों के विरुद्ध आवाज उठाता है, वह जान का खतरा मोल लेता है।

इंदिरा-रीगन भेंट की योजना नहीं

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर (वार्ता): प्रधान मन्त्री इंदिरा गांधी की मैक्सिको यात्रा का जो कार्यक्रम बनाया गया है उसमें कैंकन में उनकी अमरीका के राष्ट्रपति श्री रीगन से मुलाकात का कोई संकेत नहीं दिया गया।

पूछताछ करने पर बताया गया कि अभी ऐसी कोई योजना नहीं।

हत्यारे जालन्धर वाले ?

चंडीगढ़, 16 अक्तूबर (संधी): आज प्रातः निरंजन सिंह की सचिवालय में हत्या करने का जिन लोगों ने प्रयास किया है, इस बात की आशंका की जा रही है कि उन्हीं लोगों ने 20 सितम्बर को जालन्धर में गोलियां चलाई थीं। चंडीगढ़ के आई. जी. पी. बी. एन. [illegible] के अनुसार यहां घटनास्थल पर मिले कारतूस उसी कम्पनी के हैं, जिस कम्पनी के कारतूस जालन्धर कांड में

Punjabi Sanatani

कि सिखों की कुछ उचित शिकायतें हैं उन्हें अविलम्ब दूर कर दिया जाना चाहिए। यदि ऐसा हो जाए तो इससे न केवल सिख समुदाय की संतुष्टि हो जाएगी बल्कि वह राष्ट्र-विरोधी तत्वों का मुकाबिला भी सुदृढ़ता से कर सकेंगे।

प्रधानमन्त्री के साथ पंजाब के नेताओं की वार्ता के बाद गृहमन्त्री ज्ञानी जैल सिंह और हरियाणा के मुख्यमन्त्री श्री भजन लाल ने उनसे विचार विनिमय किया।

उच्चाधिकारी की हत्या

(1 पृष्ठ का शेष)

था जिनकी उन्होंने हत्या करनी थी।

उल्लेखनीय है कि श्री निरंजन सिंह जोकि 1978 में गुरदासपुर के जिलाधीश थे, 13 अप्रैल, 1978 को अमृतसर में हुए निरंकारी-निहंग रक्तिम भिड़ंत के लिए दोषी करार दिए गए थे। तत्कालीन अकाली सरकार ने उन पर हत्या के आरोपों में मुकद्दमा दर्ज किया था। कुछ दिनों बाद उनका मुकद्दमा पंजाब से करनाल, हरियाणा में स्थानांतरित कर दिया गया था। मुकद्दमा की सुनवाई के बाद करनाल के जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आर. एस. गुप्ता ने उन्हें हत्या के आरोप से बरी कर दिया था।

यह बात लोगों में चर्चा का विषय बनी हुई है कि अब तक राज्य में जितनी भी हत्याएं की गई हैं उनमें हत्यारों ने मोटरसाइकिल का ही प्रयोग किया है और सभी जगह मोटर साईकिल पर तीन ही व्यक्ति देखे गए।

सुरेन्द्र सिंह अभी तक नई दिल्ली के सैनिक मुख्यालय में एक सहायक सिविलियन स्टाफ आफीसर थे।

PunjabiSanatani

मेहता चौक बम विस्फोट में बाहरी हाथ की सम्भावना नहीं

विस्फोट वाले स्टोर में बाहर से दरवाजा, खिड़की नहीं: पुलिस को कई घंटे बाद अंदर जाने दिया

शवों का गुरुद्वारे के अन्दर ही पोस्टमार्टम किया गया

चंडीगढ़, 30 नवम्बर (यू. हि.) : जिला अमृतसर के चौक मेहता स्थित गुरुद्वारा गुरदर्शन प्रकाश, जहां कल भीषण बम विस्फोट हुआ था और जिसमें तीन व्यक्ति मारे गए थे, से पुलिस ने आज बम के कुछ टुकड़े बरामद किये हैं। विस्फोट से गुरुद्वारा के एक भाग को भारी क्षति पहुंची। यह स्थल जरनैल सिंह भिंडरांवाला का मुख्यालय है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि यह विस्फोट गुरुद्वारे के निचली मंजिल स्थित लंगर वाले एक हाल से सटे स्टोर के कमरे में हुआ। उन्होंने कहा कि इस कमरे में बाहर से जाने का कोई रास्ता नहीं है। अतः इसमें किसी बाहरी व्यक्ति का हाथ या 'शरारत' होने की आशंका नहीं है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस सम्बन्ध में ब्यास थाने में गुरुद्वारे की देखरेख करने वाले बाबा ठारा सिंह और भाई अमरीक सिंह ने विस्फोट के तीन घंटे बाद रिपोर्ट लिखवाई। ब्यास पुलिस ने विस्फोटक कानून और धारा 302 के अंतर्गत केस दर्ज किया है।

विस्फोट से मरने वाले तीन व्यक्तियों की लाशों का पोस्टमार्टम करने के लिए कल तक भिंडरांवाला तैयार न थे परन्तु पुलिस अफसरों ने आज उन्हें मना लिया। आज डाक्टर ए. फिलिप के नेतृत्व में तीन डाक्टरों की टीम ने चौक मेहता के गुरुद्वारा में तीनों मृतकों की लाशों का पोस्ट मार्टम किया।

बताया जाता है कि डाक्टरों की सुरक्षा के लिए उनकी जीप पर सशस्त्र पुलिस मौजूद थी।

प्रवक्ता ने इस बात का खंडन किया कि चौक मेहता में किसी प्रकार का कोई तनाव है।

उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा अधिकारियों ने विस्फोट के तीन घंटे बाद अपरान्ह 3.30 बजे चौक मेहता पुलिस चौकी के इंचार्ज असिस्टैण्ट सब-इंस्पैक्टर को गुरुद्वारा में जाने की अनुमति दी। बाद में शाम को अमृतसर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और दो उपपुलिस अधीक्षकों को भी गुरुद्वारे में घटना स्थल की जांच करने की अनुमति दी।

प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों में से एक जबवन्त सिंह उत्तर प्रदेश का निवासी था जबकि गज्जन सिंह अमृतसर जिले के अलगू गांव का तथा सुखविन्दर सिंह आदमपुर पुलिस थाने (जालन्धर) के सलाला गांव का निवासी था।

प्रवक्ता ने बताया कि जिस कमरे में विस्फोट हुआ उसमें आने-जाने का एक ही दरवाजा है तथा उसमें खिड़कियां इत्यादि भी नहीं हैं। वह कमरा बर्तन आदि रखने के काम आता है। विस्फोट से कमरे में फर्श में गड्ढा हो गया तथा दीवारों को क्षति पहुंची है।

विस्फोट विशेषज्ञ जांच करेंगे

प्रवक्ता ने बताया कि उक्त बम विस्फोट कांड को पुलिस यथासंभव पूरी जांच करेगी जिसके लिए गुरुद्वारा गुरदर्शन प्रकाश के प्रबन्धकों का पूर्ण सहयोग मिलना आवश्यक है। भारत सरकार के चंडीगढ़ स्थित विस्फोटक पदार्थों के विशेषज्ञ चौक मेहता पहुंच गए हैं। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

प्राईवेट डाक्टर द्वारा उपचार

एक प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने बताया कि अभी तक गुरुद्वारा के प्रबन्धकों द्वारा ऐसी कोई सूचना नहीं दी थी कि विस्फोट में तीन लोगों की मृत्यु के अलावा कोई व्यक्ति घायल हुआ या नहीं। एक सूचना के अनुसार एक प्राईवेट डाक्टर घायलों की चिकित्सार्थ गुरुद्वारा के भीतर ले जाया गया है किन्तु इस बारे में अधिकृत रूप से कोई सूचना नहीं मिली है।

प्रवक्ता ने यह भी बताया कि बम विस्फोट घटना के उपरान्त चौक मेहता में स्थिति सामान्य है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी चौक मेहता में पहुंच गए हैं और बम विस्फोट से संबंधित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

अमृतसर में आल इंडिया सिख स्टूडैंटस फैडरेशन ने एक बयान जारी कर इस आशय के समाचारों का खंडन किया है कि गुरुद्वारा गुरदर्शन प्रकाश में एकत्र किए गए विस्फोटकों के कारण ही कल विस्फोट हुआ था।

अमृतसर से 'भाटिया' के अनुसार चौक मेहता गुरुद्वारा विस्फोट कांड की जांच के लिए जिलाधीश श्री सरदार सिंह ने एक एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट श्री बाज सिंह भुल्लर को घटनास्थल पर भेज दिया था। रात को नौ बजे जो रिपोर्ट जिलाधीश को दी गई उसके अनुसार घटना के 5 घंटे बाद पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। घटना के चार घंटे बाद गुरुद्वारे के दरवाजे खोले गए।

एस. एस. पी. श्री ए. एस. अटवाल, जो भारी पुलिस फोर्स के साथ मौका पर पहुंच गए थे, को अंधेरा होने के बाद गुरुद्वारा के अन्दर जाने की इजाजत दी गई। इस घटना का जो विवरण हैडक्वार्टर में पहुंचा है, उसके अनुसार दो सेवादार खाना खा रहे थे, वे तो मौका पर ही मर गए। तीसरा सेवादार, जो उनको खाना खिला रहा था, वह 15 फुट की दूरी पर गम्भीर जख्मी हालत में गिरा और एक घंटा बाद दम तोड़ गया। बताया जाता है कि तीनों लाशों को पुलिस के कहने के बावजूद पोस्ट मार्टम के लिए नहीं दिया गया। आज सुबह भी एस. एस. पी. और जिलाधीश घटनास्थल पर चले गए हैं। शहर में इस घटना पर गहरा दुख प्रकट किया जा रहा है और मरने वालों के परिवारों से हमदर्दी प्रकट की जा रही है।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

क्या गुरुद्वारे में बम बनाया जा रहा था ? पुलिस द्वारा जांच

अमृतसर, 30 नवम्बर (वि.प्र.): चौक मेहता में गुरुदर्शन प्रकाश गुरुद्वारे में कल के बम धमाके के सिलसिले में आज डी. आई. जी. जालन्धर रेंज श्री बरजिंदर सिंह, अमृतसर के एस. एस.पी. श्री ए. एस. अटवाल और अन्य उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सैनिक विशेषज्ञों ने इस स्थान को देखा ताकि पता लगाया जा सके कि बम कितना शक्तिशाली था।

पुलिस बम विस्फोट कांड बारे अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। एक अनुमान यह भी है कि काफी देर तक दरवाजा अन्दर से बन्द रखने से इस सन्देह को बल मिलता है कि कमरे के अन्दर बम बनाने का काम हो रहा था। पुलिस मौन है।

पंजाब भाजपा के प्रधान डा. बलदेव प्रकाश ने एक वक्तव्य में कहा है कि पंजाब में 'सब अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का कर्तव्य है कि वह सभी तथ्यों का पता लगाए।

इस बम विस्फोट के सिलसिले में आज खालसा कालेज अमृतसर में हड़ताल रही।

संत अकाली दल ने अपने एक वक्तव्य में कहा है कि एक बार पुनः सिद्ध हो गया है कि राज्य पर सरकार का कंट्रोल नहीं, इसलिए दरबारा सिंह सरकार को तुरन्त अपदस्थ किया जाये।

PunjabiSanatani

जत्थेदार संतोख सिंह को दिल्ली में गोली मार दी गई

घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया : अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कार रोक कर फायरिंग

जत्थेदार के अंगरक्षक ने एक आक्रमणकारी को मार डाला

नईदिल्ली, 21 दिसम्बर (यू. :
आज की रात गए किन्हीं अज्ञात
व्यक्तियों ने दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक
कमेटी अध्यक्ष जत्थेदार संतोख
सिंह को गोली मार कर हत्या कर
दी। यह घटना जत्थेदार के दक्षिणी
दिल्ली स्थित निवास के बाहर हुई।
अखिल भारतीय मैडीकल इंस्टी-
च्यूट के कैजुअल्टी वार्ड के डाक्टर ने
कहा कि जत्थेदार को मृतावस्था में
अस्पताल लाया गया।

डाक्टर ने कहा कि जत्थेदार
के शरीर के दायें भाग पर गोली लगने
का एक निशान था। उनके पेट के नीचे
भी एक गोली लगी जबकि तीसरा
घाव भी संभवतया गोली का ही
था।

जब जत्थेदार संतोख सिंह के शव
को अस्पताल लाया गया तो केंद्रीय
गृह मंत्री ज्ञानी जैल सिंह वहां पहले
से थे। राजीव गांधी भी तुरन्त पहुंच
गए। जत्थेदार का शव रात नौ बज
कर पांच मिनट पर मैडीकल इंस्टी-
च्यूट में लाया गया।

इस कांड की सूचना मिलते ही
पुलिस कमिश्नर श्री पी. एस. भिन्डर,
और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधि-
कारी मैडीकल इन्स्टीच्यूट पहुंच
गए।

कहा है कि जत्थेदार संतोख
सिंह एक समारोह के सिलसिलामें
किसी दिन गए थे। जब वह वहां
से लौट रहे थे तो किन्हीं अज्ञात
व्यक्तियों ने उनकी कार को रोक
कर और गोली चला दी।

आक्रमणकारी की शिनाख्त

रात गए 'यू. न्यू.' ने
समाचार दिया कि जत्थेदार संतोख सिंह
की हत्या दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक
कमेटी के सदस्य सोहन सिंह संधू
ने की। प्राथमिक सूचना के अनुसार

रोह में शामिल होने आए हैं। इससे पहले कि जत्थेदार संधू निमंत्रण पत्र दिखाते उसने (संधू ने) एक साथ तीन गोलियां चला दीं। जत्थेदार उस समय अभी अपनी एम्बेसेडर कार में ही थे। जब संधू ने भागने की कोशिश की तो जत्थेदार के अंग रक्षक धन्ना सिंह ने उस पर फायर किए और वह वहीं ढेर हो गया।

यद्यपि संधू को शिरोमणि अकाली दल (मास्टर तारा सिंह ग्रुप) के जिसके प्रधान संतोख सिंह थे टिकट पर दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का सदस्य चुना गया था किंतु बाद में दोनों में मतभेद हो गए। ये मतभेद जत्थेदार संतोख सिंह के गत जून में दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी का प्रधान चुने जाने के बाद तीव्र रूप धारण कर गए।

संधू ने हाल ही में जत्थेदार संतोख सिंह की इच्छाओं के विपरीत अमृतसर में लौंगोवाल अकाली दल द्वारा आयोजित विश्व सिख प्रसभा में भाग लिया था।

हि. स. का कहना है कि हत्यारे एक कार में सवार थे और हत्या के बाद कार में ही बैठ कर फरार हो गए। उनकी संख्या का पता नहीं चल सका।

"प्रै. ट्र." के अनुसार जत्थेदार की छाती और सिर मे गोलियां लगीं। वह पश्चिमी दिल्ली में गुरुद्वारा में गए थे। आक्रमणकारियों की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी।

प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने जत्थेदार संतोख सिंह की हत्या पर गहरी संवेदना प्रकट की है। श्रीमती गांधी इस हत्या कांड की खबर सुन कर सबसे पहले मैडीकल इंस्टीच्यूट पहुंचने वालों में थीं।

गुरु नानक फाऊंडेशन के जनरल सैक्रेटरी प्रोफैसर सरबंस सिंह ने जत्थेदार को सिखों का एक बहादुर नेता कह कर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, "वह हृदय की गहराइयों से राष्ट्रवादी थे और खालिस्तान के कट्टर विरोधी थे।"

अंत्येष्टि आज

स्वर्गीय जत्थेदार संतोख सिंह का अंतिम संस्कार कल मंगलवार को शाम चार बजे निगम बोध घाट पर होगा। जत्थेदार के परिवार के एक सदस्य ने कहा कि शव यात्रा स्वर्गीय के निवास स्थान ग्रेटर कैलाश से शुरू होगी। शव को निगम बोध घाट ले जाने से पूर्व गुरुद्वारा सीसगंज ले जाया जाएगा।

लुधियाना में दिन दहाड़े चार सशस्त्र डाकुओं ने बैंक लूटा

लुधियाना, 21 दिसम्बर (वि. प्र.): आज यहां दिन के लगभग डेढ़ बजे स्टेट बैंक आफ इंडिया की अग्र नगर शाखा को चार सशस्त्र व्यक्तियों ने लूट लिया और भागने में सफल हो गये। पुलिस ने केस दर्ज करके शहर की नाकाबन्दी कर ली है।

बैंक के मैनेजर श्री वी. एम. लूथरा ने बताया कि दिन के लगभग डेढ़ बजे चार सशस्त्र व्यक्ति बैंक में दाखिल

श्री लूथरा के अनुसार डाकू जब बैंक में डेढ़ बजे दाखिल हुये, तो बैंक में आठ कर्मचारी उपस्थित थे। पिस्तौल से लैस एक व्यक्ति उनके कमरे में आया और कैश बाक्स की चाबियां देने की मांग की। इस पर उन्होंने कहा कि कैश उन्होंने हैड आफिस में भेज दिया है और चाबियां भी साथ ही भेजी गई हैं। बैंक के मैनेजर ने बताया कि डाकुओं के जाने के बाद उन्होंने बाहर

सुनील दत्त को उनके स्टाफ ने ही घेर लिया

बम्बई, 21 दिसम्बर (प्रै. ट्र.): बम्बई के नये शैरिफ फिल्म अभिनेता श्री सुनील दत्त आज यहां पुराने सचिवालय में जब डा. बी. के. गोयल से कार्यभार संभालने के लिये पहुंचे, तो उनके अपने ही स्टाफ ने उन्हें घेर लिया। डा. गोयल, जो प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ हैं, ने श्री दत्त को कार्यालय का चांदी का प्रतीक भेंट किया।

भाजपा, जपा, लोक दल संयुक्त अभि-

Punjabi Sanatani